

भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन

हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् में दिनांक 11 से 25 सितम्बर 2019 तक हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया। दिनांक 25 सितम्बर 2019 को भा.वा.अ.शि.प. के सभागार में स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता के साथ समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने कहा कि गत वर्ष के दौरान हिन्दी के उपयोग में आशातीत वृद्धि हुई है और अब आवश्यकता है कि हिन्दी के प्रयोग की गति को सरकार द्वारा नियत लक्ष्यों की प्राप्ति तक बरकरार रखा जाए। उन्होंने जोर देते हुआ कहा कि राजभाषा का कार्यान्वयन हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

श्री विपिन चौधरी उप महानिदेशक (विस्तार) ने स्वागत भाषण के दौरान राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं का विवरण देते हुए बताया कि इस वर्ष हिन्दी पखवाड़ा के दौरान 7 प्रतियोगिताएं यथा, टिप्पण लेखन, निबंध, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद, कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण, वाद-विवाद, राजभाषा हिन्दी प्रश्नोत्तरी (क्विज) एवं स्वरचित हिन्दी काव्यपाठ आयोजित की गईं, जिनमें कुल 68 प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह से भाग लिया। उन्होंने सूचित किया कि भा.वा.अ.शि.प. राजभाषा पुरस्कारों के अंतर्गत 'क' क्षेत्र स्थित वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून को तथा 'ग' क्षेत्र स्थित वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर को हिन्दी कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2018-19 का राजभाषा पुरस्कार दिया जाता है। वर्ष 2018-19 के दौरान अपने शासकीय कार्यों में हिन्दी क्रियान्वयन में समग्र प्रदर्शन हेतु भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय के दस कार्मिकों को भा.वा.अ.शि.प. राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. के करकमलों द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये।

समारोह का समापन डॉ. शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार) द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। समापन समारोह में श्री एस. डी. शर्मा, उप महानिदेशक (अनुसंधान) एवं श्रीमती कंचन देवी, उप महानिदेशक (शिक्षा) सहित लगभग 100 अधिकारी/वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

Celebration of Hindi Fortnight at ICFRE, Dehradun

Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) celebrated Hindi Fortnight from 11 to 25 September 2019. The closing ceremony of the event took place today i.e. 25 September 2019 in ICFRE Auditorium. Dr. Suresh Gairola, DG, ICFRE was the Chief Guest on this occasion. The programme started with the lighting of the lamp by the Chief Guest. He stated that in ICFRE use of Hindi has increased in the last one year and what we need is to continue with this pace till we achieve the targets fixed by the Government. He further stressed that implementation of Rajbhasha Hindi is our national responsibility.

Shri Vipin Chaudhary DDG (Extn.), while delivering the welcome address laid emphasis on the importance of Rajbhasha Hindi and informed the audience about the various activities conducted during the Fortnight including seven competitions namely, Noting-Drafting, Hindi Essay Writing, Hindi Translation, Hindi Typing, Hindi Debate, Hindi Quiz and Self - Written Poetry Recitation in which 68 participants actively participated. He also informed that "*ICFRE Rajbhasha Puraskar*" was awarded to **Forest Research Institute (FRI), Dehradun** for best performance amongst the institutes situated in '**A**' region and **Institute of Forest Genetics and Tree Breeding (IFGTB), Coimbatore** for best performance amongst the institutes situated in '**C**' region for best implementation of Rajbhasha Hindi for the year 2018-19. The "*ICFRE Rajbhasha Protsahan Puraskar*" was awarded to ten personnel of ICFRE for overall performance for implementation of Hindi in their official works during the year 2018-19.

Prizes were distributed to the winners of different competitions held during Hindi Fortnight by the Chief Guest, Dr. Suresh Gairola, DG, ICFRE.

The programme concluded with vote of thanks by Dr. Shamila Kalia, ADG (M & Extn.). About 100 officers, scientists and employees including Shri S.D. Sharma, DDG (Research) and Smt. Kanchan Devi, DDG (Education) were present during the closing ceremony.